मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को प्रदेश के विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा, राज्य सरकार गौरवशाली विरासत के संरक्षण और विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है।

'आस्था स्थलों के संरक्षण से राज्य में पर्यटन का विकास होगा'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक व ऐतिहासिक स्थलों के विकास की समीक्षा की

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा पीढ़ी को राजस्थान की ऐतिहासिक, धार्मिक व सांस्कृतिक विरासत से रुबरु करने के लिए स्कूली विद्यार्थियों को प्रसिद्ध स्मारकों एवं ऐतिहासिक स्थलों की नियमित यात्राएं कराई जायेंगी।**

जयपुर, 4 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल हमारी प्राचीन विरासत का महत्वपूर्ण अंग है। राज्य सरकार इस गौरवशाली विरासत के संरक्षण और विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। हमारे आस्था स्थलों का संरक्षण कर हम पर्यटन क्षेत्र को भी विकसित कर सकते हैं। इससे बड़ी संख्या में रोजगार का भी सृजन होगा।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेश के विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विकास के साथ विरासत का संरक्षण हमारा ध्येय है और इस पर कार्य करते हुए हम आस्था धामों के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न मंदिरों के जीर्णोद्धार और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को राजस्थान की गौरवशाली ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत से रूबरू कराया जाना आवश्यक है। इसके लिए स्कूली विद्यार्थियों को प्रसिद्ध स्मारकों एवं ऐतिहासिक स्थलों की नियमित यात्राएं करवाई जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संकल्प पत्र में ब्रज चौरासी सर्किट को भक्ति पर्यटन के रूप में विकसित किए जाने की घोषणा की गई थी। इस हेतु ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग पर पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।

शर्मा ने अधिकारियों को जैसलमेर स्थित तनोट माता मन्दिर में विकास कार्य करवाने तथा वहां आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने की उचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर के पास स्थित सांभर लेक क्षेत्र भी गुजरात के रण क्षेत्र की तरह महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल बन सकता है। यहां होने वाले सांभर फेस्टिवल में बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैलानी हिस्सा लेते हैं।

बैठक में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव देवस्थान विभाग डॉ. कृष्णा कांत पाठक, शासन सचिव पर्यटन रवि जैन सहित, संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित थे। साथ ही, जिला कलक्टर जैसलमेर प्रताप सिंह, जिला कलक्टर भरतपुर डॉ. अमित यादव एवं जिला कलक्टर डीग उत्सव कौशल वीसी के माध्यम से बैठक से जुड़े।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा आर.टी.आई. व्यवस्था को कमज़ोर कर रही है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, उनकी पार्टी आर.टी.आई. एक्ट को कमज़ोर करने की इस कोशिश के खिलाफ संघर्ष करेगी।**
- **कांग्रेस का आरोप है कि केन्द्र सरकार डेटा प्रोटैक्शन एक्ट की आड़ में राइट टु इन्फॉर्मेशन एक्ट को कमज़ोर करने पर आमादा है।**

नई दिल्ली, 4 मार्च। कांग्रेस और उसके अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा -नीत केन्द्र सरकार पर डेटा प्रोटैक्शन कानून लाकर आर.टी.आई. एक्ट को कमज़ोर करने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी पार्टी जनता के अधिकारों के संरक्षण के लिए इस तानाशाह सरकार से लड़ने को प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस पार्टी ने कहा, गत कुछ वर्षों से गलत या झूठी सूचना दिए जाने के क्षेत्र में भारत पहले नम्बर है और मोदी सरकार डेटा प्रोटैक्शन लॉ के जरिए कांग्रेस की पूर्व यूपीए सरकार द्वारा लाए गए सूचना के अधिकार कानून को कमज़ोर करने पर आमादा है।

उन्होंने कहा कि सूचना चाहे पब्लिक सैक्टर से जुड़ी हो, जैसे राशन कार्ड की लिस्ट, मनरेगा के लाभान्वित, जनकल्याण कार्यों में शामिल लोगों की लिस्ट, मतदाता, स्कैम करने वाले अरबपति, जो बैंक से करोड़ों रुपए का कर्ज लेकर देश से भाग गए हो, यह सब पब्लिक होना चाहिए।

कांग्रेस ने कहा कि अभी मोदी सरकार डेटा प्रोटैक्शन के नाम पर आरटीआई को कमज़ोर कर रही है। अब ये नाम सार्वजनिक रुप से नहीं मिलेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि निजता का अधिकार मूल अधिकार है और उनकी पार्टी इसके लिए लड़ी है। पर जब जनकल्याण की बात आती है तो सूचना का अधिकार एक अनिवार्यता है।

पूर्व कांग्रेस सरकार के अनुभव का हवाला देते हुए खड़गे ने कहा "कांग्रेस के राज में निजता के अधिकार का भी ख्याल रखा गया और सूचना के अधिकार का भी। पर इसका अर्थ यह नहीं कल्याणकारी योजनाओं के लाभान्वितों पर घोटालेबाजों के नाम सार्वजनिक नहीं किए जाने चाहिए।" कांग्रेस ने कहा कि वह आरटीआई को कमज़ोर नहीं होने देगी। पार्टी ने पहले भी इसके लिए आवाज़ उठाई हैं और आगे भी ऐसा करना जारी रखेंगे।

खड़गे, जो राज्यसभा में विपक्ष के नेता हैं ने कहा कि हमारी पार्टी इस तानाशाही सरकार से जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी।

दिलीप जायसवाल बिहार भाजपा के अध्यक्ष बने

- **केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने राज्य परिषद की बैठक में यह घोषणा की।**

पटना, 04 मार्च। बिहार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष पद के लिए आज डॉ. दिलीप जायसवाल के नाम की औपचारिक घोषणा की गई। केन्द्रीय मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता मनोहर लाल खट्टर ने मंगलवार को यहां बापू सभागार में पार्टी की राज्य परिषद की बैठक में भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष के रूप में डॉ. जायसवाल की ताजपोशी की घोषणा करते हुए कहा कि पार्टी की परंपरा रही है कि तीन साल में संगठन का नए सिरे से गठन किया जाता है। यह एक संवैधानिक प्रक्रिया है। खट्टर ने कहा कि बिहार में सांगठनिक रूप से 52 जिले हैं, जिनमें से 40 जिलों में इसकी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि पार्टी के चुनाव प्रभारी राजेश वर्मा के सामने सोमवार को ही डॉ. दिलीप जायसवाल ने नामांकन पत्र भरा था।

अगले वर्ष के विधानसभा....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने पत्र में लिखा कि प्रस्तावित प्रोजैक्ट के मरीन बायोस्फियर रिज़र्व में है, जो कोरल रीफ, सी ग्रास का घर है तथा यहाँ काफी दूरी तक फैले मैन्ग्रोव जंगल हैं, जो तटवर्ती राज्य के लिए उपयोगी है। इनसे भोजन, दवाएं व लकड़ी मिलती है, यहाँ कई ऐसे जानवरों व पक्षियों का आवास है, जो दुर्लभ हैं। यह राज्य को तूफानों व ज्वार-भाटे से सुरक्षा देता है। पाक बे में डुगोंग (समुद्री गाय) का संरक्षित आवास है और उस पर इस प्रोजैक्ट का विपरीत प्रभाव पड़ेगा। पाक बे में भारत व श्रीलंका के बीच एक ट्रांस बाउन्ड्री क्षेत्र है। यह क्षेत्र दुर्लभ समुद्री जीवों का घर है। यहाँ कई एकड़ क्षेत्र में समुद्री घास फैला है, जो इनका प्रमुख भोजन है।

डुगोन्डा को इन्टरनैशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ नेचर (आई.यू.सी.एन.) ने "वल्नरेबल" श्रेणी में रखा है, क्योंकि इसके अस्तित्व के लिए भारी खतरा है।

यहाँ खनन करने से लाखों मछुआरों की आजीविका प्रभावित हो सकती है, जो तटवर्ती क्षेत्र के मछुआरों की मुश्किलें बढ़ा सकती है।

उन्होंने कहा कि गल्फ ऑफ मन्नार के ब्लॉक्स को नीलामी के लिए अधिसूचित करने से पहले राज्य सरकार से विचार-विमर्श नहीं किया गया। स्टालिन ने प्रधानमंत्री से कहा, वे इसमें हस्तक्षेप करें और निर्णय वापस लें तथा जैव विविधता वाले क्षेत्र से जिन क्षेत्रों को चिन्हित किया गया है, उनका नाम पैट्रोलियम मंत्रालय में ओपन, एकरेज, लाईसैंसिंग प्रोग्राम (ओ.एल.ए.पी.) से हटाया जाए। यह अधिसूचना 11 फरवरी को जारी हुई थी, जिसमें गल्फ ऑफ मन्नार मरीन बायोस्फिअर क्षेत्र का 10,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र शामिल हैं, जिसमें 560 वर्ग किलोमीटर में फैला समुद्री नैशनल पार्क और 448 वर्ग किलोमीटर में फैला डुगॉन्ग रिज़र्व भी शामिल है।

केजरीवाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

धर्म में निहित है और यह एक गैर-सांप्रदायिक तकनीक है, जिसका उद्देश्य मानसिक अशुद्धियों को दूर करना और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है। इस पाठ्यक्रम में अनुशासन की एक सख्त संहिता का पालन किया जाता है। पांच मार्च से 15 मार्च तक चलने वाले 10 दिवसीय ध्यान शिविर में प्रतिभागियों को केन्द्र के नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। उन्हें मोबाइल फोन, इंटरनेट, टेलीविजन या समाचार पत्रों का उपयोग करने से बचना चाहिए। पाठ्यक्रम एक सहायक शिक्षक द्वारा संचालित किया जाएगा, और प्रतिभागियों को ध्यान के घंटों के बाहर भी पूरी तरह से मौन रहना चाहिए।

नाबालिग से अश्लीलता पर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने बताया कि अभियुक्त ने दादी के कमरे में ले जाकर उसके साथ गलत काम करने की कोशिश की। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। दूसरी ओर, अभियुक्त की ओर से अदालत को बताया कि उसे प्रकरण में जबरन फंसाया गया है। पुलिस ने घर में काम करने वाली नौकरानी के बयान भी दर्ज नहीं किए। अभियोजन पक्ष के साक्ष्य में विरोधाभास है। ऐसे में उसे दोषमुक्त किया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

मद्रास व बॉम्बे हाईकोर्ट में आठ न्यायाधीश नियुक्त

- **मद्रास हाईकोर्ट में 4 अपर न्यायाधीशों को तथा बॉम्बे में 3 को स्थाई किया गया है।**

नयी दिल्ली, 04 मार्च। सरकार ने मद्रास और बॉम्बे उच्च न्यायालयों में कुल आठ न्यायाधीशों की नियुक्ति की है, जिनमें चार मद्रास उच्च न्यायालय और चार मुंबई उच्च न्यायालय के लिये हैं। विधि एवं न्याय मंत्रालय की मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, इनमें मद्रास उच्च न्यायलय में नियुक्त चार और मुंबई उच्च न्यायालय में नियुक्त तीन न्यायाधीश इन न्यायालयों में अपर न्यायाधीश के रूप में कार्य कर रहे थे। इन्हें उनके वर्तमान न्यायालयों में स्थायी किया गया है।

मुंबई न्यायालय में चौथी नियुक्ति अपर न्यायाधीय के पद के लिए है, जो आगामी अगस्त से एक वर्ष के लिए प्रभावी होगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि राष्ट्रपति दौपदी मुर्मु ने भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए इन उच्च न्यायालयों में स्थायी न्यायाधीश/अपर न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति की है। विज्ञप्ति के अनुसार, मद्रास उच्च न्यायालय में जिन अपर न्यायाधीशों को स्थायी न्यायाधीश बनाया गया है, उनमें न्यायाधीश सर्वरामासामी शक्तिवेल, पी. धनबल, चित्रास्वामी कुमारप्पन और कंडासामी राजशेखर का नाम शामिल है।

क्षतिग्रस्त सुरंग में कन्वेयर बेल्ट चालू हुई

- **एक अधिकारी के अनुसार, इससे बचाव अभियान में तेजी आयेगी।**

नगरकुरनूल, 04 मार्च। तेलंगाना में आंशिक रूप से ध्वस्त सुरंग के अंदर कन्वेयर बेल्ट को ठीक कर लिया गया है और उसने मंगलवार को काम करना शुरू कर दिया। एक अधिकारी ने बताया कि इससे बचाव कर्मियों को सुविधा होगी और अंदर फंसे मलबे आदि को निकालने में आसानी और तेजी आएगी। कन्वेयर बेल्ट 22 फरवरी को हादसे के बाद क्षतिग्रस्त हो गई थी। इस बीच दक्षिण मध्य रेलवे की विशेषज्ञ टीम ने सुरंग के अंदर बोरिंग मशीन के क्षतिग्रस्त प्लेटफॉर्म को काट दिया है।

अधिकारी ने बताया कि श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) परियोजना की ध्वस्त सुरंग के अंदर बचाव अभियान में तेजी आएगी। उन्होंने बताया कि सुरंग के अंदर फंसे हुए आठ लोगों को खोजने के प्रयासों में अब तक कोई सफलता नहीं मिली है। बचावकर्मी हर दिन तीन पारियों में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मलबा हटाने और पानी निकालने की प्रक्रिया जारी है।

दरअसल, सुरंग के अंदर भारी मात्रा में कीचड़ और पानी होने के कारण बचाव दलों के लिए चुनौती खड़ी हो गई है। नगरकुर्नूल के पुलिस अधीक्षक वैभव गायकवाड़ ने सोमवार को कहा था कि राज्य सरकार बचाव अभियान में बचाव दल को किसी भी खतरे से बचाने के लिए रोबोट तैनात करने पर विचार कर रही है। वैभव गायकवाड़ ने बताया कि आज सुबह कन्वेयर बेल्ट चालू कर दिया गया है। रेलवे प्लाज्मा मशीनें भी यांत्रिक मलबे को हटाने के लिए काम कर रही हैं।

एसएलबीसी सुरंग परियोजना के इंजीनियर प्रभु श्रीवास्तव का कहना है कि मशीनों द्वारा कटाई का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। खुदाई करने वाली मशीनें अंदर जाएंगी और कन्वेयर बेल्ट पर मलबा बाहर भेजेंगी। रैट माइनर्स, एनडीआरएफ और अन्य टीमें उन जगहों पर काम कर रही हैं, जिन्हें चिन्हित किया गया है। हम नहीं कह सकते कि इसमें और कितने दिन लगेंगे।

हाई कोर्ट ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने गृह जिले या उसके नजदीक के स्थानों के महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल में नियुक्ति के लिए आवेदन कर परीक्षा दी थी। याचिकाकर्ताओं के अधिक अंक लाने के बावजूद उन्हें गृह जिले में नियुक्ति नहीं दी, जबकि उनसे कम अंक लाने वाले दूसरे अभ्यर्थियों को गृह जिले या आसपास की स्कूल में नियुक्ति दी गई। याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने गत दिसंबर माह में याचिकाकर्ता को कहा था कि वह शिक्षा विभाग में इस संबंध में अपना अभ्यावेदन दे। वहीं, अदालत ने शिक्षा विभाग को कहा था कि वह इन अभ्यावेदनों को तय करे। याचिका में कहा गया कि अदालती आदेश के बावजूद शिक्षा विभाग ने उनके अभ्यावेदनों को तय नहीं किया है। याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने 19 मार्च तक अभ्यावेदन तय नहीं करने पर शिक्षा निदेशक को हाजिर होकर इस संबंध में अपना जवाब पेश करने को कहा है।

हाईवे के किनारे अवैध...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मीटर तक शराब की दुकानों का संचालन अवैध है। इसके बावजूद, प्रदेश में सुप्रीम कोर्ट व आबकारी अधिनियम के प्रावधानों की अवहेलना कर अवैध तरीके से हाइवे के किनारे ही दुकानें चलाई जा रही हैं।

इसलिए राज्य सरकार को निर्देश दिया जाए कि वह हाइवे किनारे अवैध तौर पर चल रही शराब की दुकानों को बंद करवाकर उनके लाइसेंस को रद्द करे। याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने करीब एक साल पहले राज्य सरकार और आबकारी विभाग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया था, लेकिन अभी तक कोई जवाब पेश नहीं किया गया।

प्र.मंत्री मोदी ने सफेद शेर, बाघ व गैंडा के शावकों को दूध पिलाया

विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर प्र.मंत्री ने पशु संरक्षण केन्द्र वनतारा का उद्घाटन किया

- **वनतारा में अम्बानी परिवार ने पारंपरिक तरीके से प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया।**
- **अम्बानी परिवार ने गुजरात के जामनगर में 3000 एकड़ में "वनतारा" बनवाया है जहां जानवरों की मल्टी स्पैशलिटी अस्पताल व नर्सरी है जिनमें जानवरों के नवजात बच्चों की देखरेख की जाती है।**

जामनगर, 04 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व वन्यजीव दिवस के मौके पर गुजरात के जामनगर स्थित पशु संरक्षण केंद्र 'वनतारा' का, शंख ध्वनियों, मंत्रोच्चार और लोक कलाकारों के गायन-वादन के बीच उद्घाटन किया और सफेद शेर, बाघ, गैंडा के शावकों को अपने हाथों से दूध पिलाया। वनतारा, वन्य जीवों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिये समर्पित केंद्र है।

'वनतारा' की ओर से मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मोदी ने तीन हजार एकड़ में फैले वनतारा में काफी वक्त बिताया और वहां जानवरों के लिए बनाई गई विश्व स्तरीय सुविधाओं का जायजा लिया। प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी के पुत्र अनंत अंबानी की पहल पर वनतारा बनाया गया है। वनतारा पहुंचने पर अंबानी परिवार ने पारंपरिक तरीके से प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

प्रधानमंत्री ने परिसर में बने मंदिर में हुई पूजा-अर्चना में भी भाग लिया। वह वनतारा में जानवरों के लिए विशेष रूप से तैयार मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का मुआयना करने गये और विशेष चिकित्सीय उपकरणों, जैसे सीटी स्कैन, एमआरआई, अल्ट्रासाउंड और एंडोस्कोपी का लाइव प्रदर्शन देखा। जानवरों के लिए बनाए गए आईसीयू और ऑपरेशन थियेटर में भी उन्होंने दिलचस्पी दिखाई। वनतारा में हाल ही में पैदा हुए जानवरों के छोटे बच्चों के लिए नर्सरी भी बनाई गई है। उन्होंने वनतारा में काम करने वाले कर्मचारियों की लगन और मेहनत की प्रशंसा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व वन्यजीव दिवस "वनतारा" में जानवरों के साथ मनाया। यहां उन्होंने सफेद शेर, बाघ व गैंडा के शावकों को दूध पिलाया।

उन्होंने एशियाई शेर के शावकों, सफेद शेर के शावक, दुर्लभ और लुप्तप्राय प्रजाति, क्लाउडेड लैपर्ड तेंदुआ शावकों को देखा और अपने हाथों से सफेद शेर, बाघ, गैंडा के शावकों को दूध पिलाया।

भारत चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिये। शुभमन गिल (आठ) और कप्तान रोहित शर्मा (28) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद विराट कोहली और श्रेयस अय्यर की जोड़ी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 91 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई और 27 वें ओवर में ऑस्ट्रेलियन गेंदबाज एडम जम्पा ने श्रेयस अय्यर को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। श्रेयस अय्यर ने 62 गेंदों में (45) रनों की पारी खेली। फिर विराट और अक्षर पटेल के बीच 44 रन की साझेदारी हुई। अक्षर पटेल (27) को नेथन एलिस ने बोल्ड कर साझेदारी तोड़ी, 43 वें ओवर में एडम जम्पा ने शतक की ओर बढ़ रहे विराट कोहली को आउट कर भारत को पांचवां झटका दिया। विराट कोहली ने 98 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए (84) रनों की अद्भुत पारी खेली। तूफानी बल्लेबाजी कर रहे हार्दिक पंड्या को 48वें ओवर में नेथन एलिस ने मैक्सवेल के हाथों कैच आउट कराकर ऑस्ट्रेलिया को छठी सफलता दिलाई। हार्दिक ने 24 गेंदों में एक चौका और तीन छक्के लगाते हुए (28) रनों की पारी खेली। के एल राहुल ने 34 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 42) रन बनाये। रवींद्र जडेजा (दो) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने 48.1 ओवर में छह विकेट पर 267 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। इसी के साथ भारत टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गया है, जहां उसका मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से होगा।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जम्पा और नेथन एलिस ने दो- दो विकेट लिये। बेन ड्वारश्विस और कूपर कॉनोली ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने चार रन के स्कोर पर कूपर कॉनोली (शून्य) का विकेट गवां दिया। कूपर कॉनोली को मोहम्मद शमी ने आउट किया। इसके बाद कप्तान स्टीव स्मिथ ने ट्रैविस हेड के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। नौवें ओवर में वरूण चक्रवर्ती ने ट्रेविस हेड को आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। ट्रेविस हेड ने 33 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए 39 रनों की पारी खेली। मार्नस लाबुशेन (29) को एल.बी.डब्ल्यू आउटकर रवींद्र जडेजा ने ऑस्ट्रेलिया को तीसरा झटका दिया। जॉश इंग्लिश (11) भी जडेजा का शिकार बने। शतक की ओर बढ़ रहे स्टीव स्मिथ को मोहम्मद शमी ने 37वें ओवर में बोल्ड कर दिया। स्टीव स्मिथ ने 96 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से (73) रनों की पारी खेली। ग्लेन मैक्सवेल (सात) को अक्षर पटेल ने बोल्ड किया। बेन ड्वारश्विस (19) को चक्रवर्ती ने आउट किया। एलेक्स कैरी को श्रेयस अय्यर ने रनआउट किया। एलेक्स कैरी ने 57 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाते हुए (61) रनों की पारी खेली। नेथन एलिस (10) को शमी ने नौवें विकेट के रूप में आउट किया। आखिरी ओवर करने आये हार्दिक पंड्या ने एडम जम्पा (सात) रन को बोल्ड कर ऑस्ट्रेलिया की पारी का 264 के स्कोर पर अंत कर दिया।

भारत की ओर से मोहम्मद शमी को तीन विकेट मिले। रवींद्र जडेजा, हार्दिक पंड्या और वरूण चक्रवर्ती ने दो-दो विकेट लिये। अक्षर पटेल ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

सेमीफाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच बने चेज़ मास्टर विराट कोहली, जिन्होंने 84 रन की बेहद अहम पारी खेली। दुबई के इंटरनेशनल स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए सेमीफाइनल में कोहली ने रन चेज़ में 3 बड़ी साझेदारियां भी कीं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 सेमीफाइनल के दौरान चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। कोहली ने वनडे रन चेज़ में 8000 रन भी पूरे कर लिए हैं। उन्होंने 265 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए 21 रन बनाकर ये उपलब्धि हासिल की। कोहली ने 301 मैचों के करियर में वनडे में दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 159वीं पारी में 8000 रन का रिकॉर्ड बनाया।

इजरायल ने संघर्ष विराम के लिये नई शर्तें रखीं

यरूशलम, 04 मार्च। इजरायल ने जनवरी में लागू हुए संघर्ष विराम समझौते के अगले चरण में आगे बढ़ ने के लिए गाजा पट्टी से विसैन्यीकरण और हमास के शासन की समाप्ति की मांग की है। यह जानकारी इजरायली विदेश मंत्री गिदोन सा'र ने मंगलवार को दी।

गिदोन ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि हमारे पास दूसरे चरण पर कोई समझौता नहीं है। हम गाजा से पूरी तरह से विसैन्यीकरण की मांग करते हैं, और हमास और इस्लामिक जिहाद को बाहर निकाल कर अपने बंधकों की वापसी की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर हमास इन मांगों पर सहमत हो जाता है तो "हम कल ही समझौते को लागू कर सकते हैं।" रविवार सुबह से गाजा में मानवीय सहायता रोकने के इजरायल के कदम का उल्लेख करते हुए, सा'र ने दावा किया कि हमास द्वारा इस सहायता का उपयोग अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि मानवीय आपूर्ति हमास के लिए बजट की सबसे बड़ी आय बन गई है।

चंडीगढ़ में प्रदर्शन से पहले किसान नेता गिरफ्तार किये गये

मुख्यमंत्री भगवंत मान और संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक बेनतीजा रहने के बाद कार्यवाही की गई

- **मुख्यमंत्री मान ने कहा कि किसानों की मांगें केन्द्र से हैं, मुझसे संबंधित नहीं हैं।**

चंडीगढ़ , 04 मार्च। चंडीगढ़ में बुधवार को होने वाले संयुक्त किसान मोर्चा के प्रदर्शन से पहले पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मोर्चा नेता बलबीर सिंह राजेवाल को देर रात 1.30 बजे हिरासत में ले लिया गया। कई जिलों में किसान नेताओं के घरों पर छापेमारी की गई और उनको हिरासत में लिया गया है। किसानों ने जगह-जगह पुलिस का विरोध किया। गौरतलब है कि सोमवार को मुख्यमंत्री मान और संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक बेनतीजा रही थी। तभी सीएम मान बैठक छोड़कर बाहर निकल गए थे, जिसके बाद किसान नेताओं ने अपनी नाराजगी जाहिर की थी। इसके बाद किसानों ने 5 मार्च को चंडीगढ़ कूच का ऐलान किया था। पुलिस कार्रवाई पर नेता विपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने मुख्यमंत्री मान पर तंज कसते हुए कहा, 'महाराजा सतोज, अपना होश गवा बैठा, समां हुआ 5 बजे का, दिन-दहाड़े शराब ले बैठा'।

विवाद बढ़ ने पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा- मैंने किसानों से पूछा था कि प्रदर्शन का क्या रहेगा? किसानों का कहना था कि जारी रहेगा। फिर मैंने कहा कि मुझे ढ ाई घंटे तक क्यों बैठाया? ये मांगें मुझसे संबंधित नहीं थीं। ये मांगें केन्द्र से सम्बन्धित हैं। इस पर किसानों का कहना था कि डर कर आप मीटिंग में आए हैं। मैं उन्हें यह कहकर आया था कि मैं मित्र की तरह हूं। मीटिंग और मोर्चा साथ नहीं चलेगा।

पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि किसान जब चाहे मीटिंग कर सकते हैं। किसान हमारे सत्कार योग हैं। कल मीटिंग काफी अच्छे माहौल में चल रही थी। किसान 18 मांगे लेकर आए थे, 8 मांगों पर चर्चा हुई।

चंडीगढ़ पुलिस ने कल होने वाले किसानों के चंडीगढ़ कूच को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। चंडीगढ़ में एंट्री करने वाले 12 पॉइंट्स पर रूट डायवर्ट किए गए हैं और करीब 2500 पुलिसकर्मी और सीनियर अफसर तैनात किए जाएंगे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600